# PRESIDENCY UNIVERSITY, KOLKATA
# DEPARTMENT OF HINDI
# UG SYLLABUS

## Semester 1
## Major Paper 1
## HIND 0101
### हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं मध्यकाल

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा।
2. हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण।
3. आदिकाल : पृष्ठभूमि और साहित्यिक प्रवृत्तियां, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, रासो साहित्य, लोक साहित्य।
4. भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल ): भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण एवं पृष्ठभूमि। भक्तिकाल की विविध काव्यधाराओं की साहित्यिक प्रवृतियां : सगुण भक्ति काव्यधारा और निर्गुण भक्ति काव्यधारा, राम काव्यधारा और कृष्ण काव्यधारा, सूफी काव्यधारा। भक्ति साहित्य का अवदान।
5. रीतिकाल (पूर्व मध्यकाल ): ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विविध काव्यधाराएं। रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रवृत्तियां। श्रृंगारेत्तर काव्य।

## Semester 1
## Major Paper 2
## HIND 0102
### हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. आधुनिक काल की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। हिन्दी नवजागरण की विशेषताएं।
2. भारतेंदु युग : प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियां, भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनका मंडल : साहित्यिक अवदान।
3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियां, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बालमुकुन्द गुप्त, श्रीधर पाठक, मैथिलीशरण गुप्त : साहित्यिक अवदान।
4. स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर प्रभाव, हिन्दी में स्वछंदतावादी प्रवृत्ति का विकास और छायावाद। प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी : साहित्यिक अवदान।
5. प्रगतिवाद और प्रगतिशील आंदोलन, प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृत्तियां। दिनकर, नागार्जुन एवं मुक्तिबोध : साहित्यिक अवदान।
6. प्रयोगवाद और नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियां। अज्ञेय, शमशेर बहादुर सिंह, धूमिल : साहित्यिक अवदान।
7. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का संक्षिप्त परिचय : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा वृत्तांत।

## Semester 2
## Major Paper 3
## HIND 0201
### प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्यांश की व्याख्या और काव्य-सौंदर्य के साथ-साथ कवियों की समालोचना भी अपेक्षित है।

विद्यापति : हर जनि बिसरब मोर ममता, कखन हरब दुख मोर, नहाए उठलि तीरे राइ कमलमुखि, मधुरित मधुकर पाँति, अनुखन माधव माधव सुमरइते, जोगिआ एकदमे देखल गे माई, पिया मोर बालक हम तरूनी, सपन देखत हम सिवसिंह भूप।

कबीर : मन रे जागत रहिये भाई, राँम मोहि तारि कहाँ लै जइहौ, मन रे तन कागद का पुतरा, जियरा मेरा फिरै रे उदास, अकथ कहाँणी प्रेम की कछु कही न जाई, एक निरंजन अलह मेरा, यहु ठग ठगत सकल जग डोलै, जतन बिन मृगनि खेत उजारे।

जायसी : पद्मावत से आठ पद ( नागमती वियोग खंड )

तुलसीदास : अगुन सगुन दुइ ब्रह्म सरुप, रामभगति सुरसरिताहिं, मनि मानिक मुकुता, सुनि सिसु रुदन परम प्रिय बानी, एहि विधि राम जगत, बाल चरित हरि बहुविधि, अरुण नयन उर बाहु बिसाला, करहु नाथ सुंदर दोउ बालक।

घनानंद : झलके अति सुंदर आनन गौर, जासों प्रीति ताहि निठुराई, हीन भए जल मीन अधीन, रावरे रूप की रीति अनूप, जेतो घन सोधौ पै न पाउँ, आसा गुन बांधी कै, चतिक चहुल चहुँ ओर, नेह-निधान-सुजात-समीप तौ।

द्रुतपाठ : चंदवरदाई, अब्दुर्रहमान, रसखान, मीराबाई, बिहारी।

## Semester 2
## Major Paper 4
## HIND 0202
### आधुनिक हिन्दी कविता
### (द्विवेदी युगीन और छायावादी कविता )

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्यांश की व्याख्या और काव्य-सौंदर्य के साथ-साथ कवियों की समालोचना भी अपेक्षित है।

1. माखनलाल चतुर्वेदी : बलि पंथी से, सिपाही, छिपूं किसमें ?, कलिका से-कलिका की ओर से, खोज।
2. जयशंकर प्रसाद : अशोक की चिंता, शेरसिंह का शस्त्र समर्पण, आँसू ( निर्धारित अंश ), तुम, ले चल भुलावा देकर।
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : बादल राग, मैं अकेला, काले-काले बादल आए, पास हीरे की खान, महगू महगा रहा, डिप्टी साहब आए।
4. सुमित्रानंदन पंत : निर्झर गान, मैं नहीं चाहता चिर सुख, दो लड़के, विश्व छवि, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र ।

5. महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुःख की बदली, टूट गया वह दर्पण निर्मल, अलि मैं कण-कण को जान चली, सब बुझे दीपक जला लूँ, नहीं हलाहल शेष।

द्रुतपाठ : अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त, श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी, सुभद्राकुमारी चौहान।

## Semester 3
## Major Paper 5
## HIND 0301
## स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्यांश की व्याख्या और काव्य-सौंदर्य के साथ-साथ कवियों की समालोचना भी अपेक्षित है।

1. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : सौंदर्य बोध, प्रार्थना-3, प्रौढ़ शिक्षा-1, यह खिड़की, पिता के लिए ।
2. भवानी प्रसाद मिश्र : आओ देश को फिर जोड़ ले, शांति के स्वर, मैंने उठाकर सिर तानकर, सुख,प्यासी प्रकृति।
3. दुष्यंत कुमार : कहाँ से शुरू करें यात्रा, अजायबघर में, काव्य-कथा : चार पत्र : एक प्रसंग, भूल जाने के लिए, एक चुनाव परिणाम।
4. त्रिलोचन शास्त्री : जिस समाज में तुम रहते हो, अभी कहाँ मुझे शांति मिली, हम साथी, नदी : कामधेनु, तुम्हें सौंपता हूँ।
5. शमशेर बहादूर सिंह : उषा, घिर गया है समय का रथ, बात बोलेगी, सागर तट, चूका भी नहीं मैं।

द्रुतपाठ : श्याम नारायण पाण्डेय, रघुवीर सहाय, धूमिल, मुक्तिबोध, केदारनाथ सिंह।

## Semester 3
## Major Paper 6
## HIND 0302
## हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्यविधाएं

**क. अध्ययन के लिए**

1. हिन्दी गद्य का उद्‌भव और विकास, 2. गद्य विधाओं की रचनात्मक विशेषताएं, 3. हिन्दी गद्य की शैलियाँ।

**ख. निर्धारित रचनाएं तथा रचनाकार**

1. महावीर प्रसाद द्विवेदी : भारतीय भाषाओं का अन्वेषण।
2. गुलाब राय : भारत का समन्वयवादी संदेश।
3. निर्मल वर्मा : भूमण्डलीकरण के दौरान भारतीय संस्कृति।
4. अज्ञेय : बहता पानी निर्मला।
5. हरिवंश राय बच्चन : क्या भुलूं क्या याद करूं ( निर्धारित अंश )।

द्रुतपाठ : चंद्रधर शर्मा गुलेरी, बाल मुकुंद गुप्त, हजारी प्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, प्रभाष जोशी।

## Semester 3
## Major Paper 7
## HIND 0303
## आधुनिक हिन्दी आलोचना

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचकों की आलोचनात्मक अवधारणाओं का अध्ययन अपेक्षित है।

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. नंददुलारे वाजपेयी
4. मुक्तिबोध
5. रामविलास शर्मा

द्रुतपाठ : महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नामवर सिंह, विजय देवनारायण साही।

## Semester 4
## Major Paper 8
## HIND 0401
## हिन्दी कथा साहित्य

इस पाठ्यक्रम में हिन्दी उपन्यास और कहानी की प्रमुख प्रवृतियाँ, प्रमुख कथाकार और उनका आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

निर्धारित उपन्यास :

1. उदय प्रकाश - मोहनदास
2. चित्रा मुद्गल - गिलीगडु

निर्धारित कहानियां :

1. प्रेमचंद - सद्गति
2. फणीश्वर नाथ रेणु - लाल पान की बेगम
3. यशपाल - फूलों का कुर्त्ता
4. भीष्म साहनी - पाली
5. अब्दुल बिस्मिल्लाह - अतिथि देवो भव

द्रुतपाठ : जैनेन्द्र कुमार, जगदीश चंद्र, असगर वजाहत, कृष्णा सोबती, मन्नु भंडारी।

## Semester 4
## Major Paper 9
## HIND 0402
### हिन्दी नाटक और रंगमंच

**अध्ययन के विषय :**

1. हिन्दी नाटक का विकास, 2. हिन्दी रंगमंच की परंपरा और नए प्रयोग।

**निर्धारित नाटक :**

1. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - बकरी
2. असगर वजाहत - जिस लाहौर नई देख्या वो जन्माइ नई

**निर्धारित एकांकी :**

1. भगवती चरण वर्मा - सबसे बड़ा आदमी
2. मोहन राकेश - शायद

द्रुतपाठ : रामकुमार वर्मा, धर्मवीर भारती, मोहन राकेश, भीष्म साहनी, भुवनेश्वर।

## Semester 4
## Major Paper 10
## HIND 0403
### भारतीय काव्य शास्त्र

1. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अंग, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण।
2. अलंकार सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण।
3. रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, प्रमुख स्थापनाएं, रीति और गुण।
4. वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, प्रमुख स्थापनाएं, वक्रोक्ति के भेद।
5. ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के भेद।
6. औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएं, औचित्य के भेद।

## Semester 5
## Major Paper 11
## HIND 0501
### पाश्चात्य काव्य शास्त्र

इस पाठ्यक्रम में पाश्चात्य चिंतकों के काव्य, कला और साहित्य से संबंधित विचारों का अध्ययन अपेक्षित है।

1. प्लेटो : काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत।
2. अरस्तू : काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन।
3. लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
4. वर्डस्वर्थ : काव्य सिद्धांत।
5. कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत।
6. मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचक का स्वरूप और प्रकार्य।

7. टी. एस. इलियट : परंपरा की अवधारणा, निर्वैक्तिक काव्य सिद्धांत ।
8. आई. ए. रिचर्डस : मूल्य सिद्धांत और काव्य- भाषा।

## Semester 5
## Major Paper 12
## HIND 0502
## हिन्दी भाषा का विकास

1. हिन्दी की उत्पत्ति। पुरानी हिन्दी, अवहट्ट, डिंगल, तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास, हिन्दी की बोलियां।
2. खड़ी बोली के साहित्यिक रूपों का विकास : दकनी, उर्दू और हिन्दी।
3. हिन्दी भाषा के विविध रूप : बोलचाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा।
4. हिन्दी का शब्द भंडार।
5. हिन्दी भाषा का मानकीकरण।
6. भूमंडलीयकरण और हिन्दी।

## Semester 5
## Major Paper 13
## HIND 0503
## प्रयोजनमूलक हिन्दी और राजभाषा

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी से अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्तियां और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पारिभाषिक शब्दावली।
4. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।
5. राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन।
6. कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति।
7. प्रशासनिक हिन्दी और उसकी शब्दावली।
8. प्रशासनिक पत्रचार और उसके प्रकार।
9. संक्षेपण, टिप्पण, प्रारूपण एवं प्रतिवेदन लेखन।

(वैकल्पिक)

भारतीय साहित्य

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा।
2. भारतीय साहित्य : स्वरूप और विशेषताएं।
3. संस्कृत रामायण और महाभारत का भारतीय साहित्य पर प्रभाव।
4. संस्कृत साहित्य : कालिदास - काव्य और नाटक।
5. अंग्रेजी साहित्य : हेनरी लुई विवियन डिरोजियो - काव्य।
6. बांग्ला साहित्य : रवींद्रनाथ - काव्य और नाटक।
7. उर्दू साहित्य : इस्मत चुगताई - कथा साहित्य।
8. मराठी साहित्य : विजय तेंदुलकर - नाटक।
9. तमिल साहित्य : सुब्रह्मण्यम भारती - काव्य।

## Semester 5
## Sessional 1
## HIND 0581
### पुस्तक समीक्षा

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत सद्य प्रकाशित हिन्दी पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की समीक्षा विद्यार्थियों द्वारा की जाएगी।

## Semester 5
## Sessional 2
## HIND 0581
### समाचार पत्र सर्वेक्षण

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी किसी एक हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय अथवा किसी अन्य स्तंभ का सर्वेक्षण कर उनकी समीक्षा करेंगे।

## Semester 6
## Major Paper 14
## HIND 0601
### हिन्दी और जनसंचार माध्यम

1. जनसंचार माध्यम : अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार।
2. जनसंचार माध्यमों के प्रकार।
3. जनसंचार माध्यमों की भाषिक प्रकृति।
4. समाचार लेखन और हिन्दी।
5. संवाद लेखन और हिन्दी।
6. रेडियो लेखन और हिन्दी।
7. विज्ञापन लेखन।
8. संपादन कला के सिद्धांत।

**(वैकल्पिक)**

**तुलनात्मक साहित्य**

**हिन्दी और बांग्ला साहित्य का इतिहास**

इस पाठ्यक्रम में हिन्दी और बांग्ला साहित्य के इतिहास के संदर्भ में तुलनात्मक साहित्य के स्वरूप का अध्ययन अपेक्षित है।

1. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा।
2. तुलनात्मक साहित्य की आवश्यकता।
3. हिन्दी और बांग्ला का प्राचीन साहित्य : विशिष्ट प्रवृतियां।
4. हिन्दी और बांग्ला का मध्यकालीन साहित्य : विशिष्ट प्रवृतियां।
5. हिन्दी और बांग्ला का 19वीं सदी का नवजागरणकालीन साहित्य : विशिष्ट प्रवृतियां।
6. हिन्दी और बांग्ला का 20वीं सदी का साहित्य : विशिष्ट प्रवृतियां।

## Semester 6
## Major Paper 15
## HIND 0602

**अनुवाद विज्ञान**

1. अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप।
2. अनुवाद की प्रक्रिया या प्रविधि : स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अर्थान्तर की प्रक्रिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थसंप्रेषण की प्रक्रिया।
3. अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत।
4. अनुवाद और व्यतिरेकी भाषा विज्ञान।
5. अनुवाद के विविध प्रकार।
6. अनुवाद के विविध उपकरण।
7. अनुवाद की समस्याएं।
8. अनुवाद की गुणवत्ता।

**(वैकल्पिक)**

**तुलनात्मक साहित्य**

**हिन्दी और बांग्ला का आधुनिक साहित्य**

इस पाठ्यक्रम में हिन्दी और बांग्ला के आधुनिक साहित्य का सैद्धांतिक और आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

1. हिन्दी और बांग्ला नाटकों में राष्ट्रीयता।
2. हिन्दी और बांग्ला काव्य में स्वच्छंदतावाद।

3. हिन्दी और बांग्ला काव्य में प्रगतिशील चेतना।
4. हिन्दी और बांग्ला उपन्यासों में सांप्रदायिकता विरोधी चेतना ।
5. हिन्दी और बांग्ला कथा साहित्य में स्त्री विमर्श।

## Semester 6
## Major Paper 16
## HIND 0603
## हिन्दी पत्रकारिता

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
2. हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास।
3. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व।
4. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत।
5. समाचार के विभिन्न स्रोत।
6. पत्रकारिता से संबंधित लेखन - संपादकीय, फीचर, रिपोतार्ज, खोजी समाचार, अनुवर्त्तन की प्रविधि।
7. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता।
8. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला।
9. पत्रकारिता का प्रबंधन - प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण-व्यवस्था।

## (वैकल्पिक)
## विशेष साहित्यकार का तुलनात्मक अध्ययन
## (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

इस पाठ्यक्रम में हिन्दी के महाकवि निराला का भारतीय कवियों के साथ विशेष तुलनात्मक अध्ययन कविताओं के आधार पर अपेक्षित है।

1. निराला और डिरोजियो।
2. निराला और रवींद्रनाथ।
3. निराला और नजरूल।
4. निराला और सुब्रह्मण्यम भारती।
5. निराला और गालिब।

## Semester 6
## Sessional 3
## HIND 0681
### हिन्दी शिक्षण सर्वेक्षण

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत कोलकाता अथवा कोलकाता से संलग्न विद्यालयों में हिन्दी शिक्षण के स्वरूप एवं पद्धति की समीक्षा विद्यार्थियों द्वारा की जाएगी।

## Semester 6
## Sessional 4
## HIND 0682

### लोकभाषा एवं लोकजीवन-अध्ययन

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत बंगाल के हिन्दी भाषी क्षेत्रों में लोकभाषा, लोकगीत तथा लोकजीवन के उपादनों का अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा।

# PRESIDENCY UNIVERSITY, KOLKATA
# DEPARTMENT OF HINDI
# PG SYLLABUS

## Semester 7
## Major Paper 17
## HIND 0701
## हिन्दी साहित्य का इतिहास
## (आदिकाल एवं मध्यकाल )

इस पाठ्यक्रम में इतिहास की अवधारणा, साहित्येतिहास-लेखन की पद्धतियां, हिन्दी के प्रमुख इतिहास-ग्रंथों आदि पर विचार करते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास का गहन अध्ययन अपेक्षित है।

1. साहित्येतिहास के सिद्धांत, हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन की परंपरा और पद्धतियां, हिन्दी के प्रमुख इतिहास-ग्रंथों की समीक्षा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं।
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रवृतियां, प्रमुख कवि और उनका काव्य।
3. भक्ति आंदोलन का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, विभिन्न काव्यधाराओं का वैशिट्य और अंतःसंबंध। प्रमुख सगुण और निर्गुण कवि और उनका काव्य, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य।
4. दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, काव्यधाराएं, प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य और लोकजीवन।

## Semester 7
## Major Paper 18
## HIND 0702
## भारतीय काव्यशास्त्र

1. काव्य लक्षण और काव्य परिभाषा ।
2. काव्य प्रेरणा और काव्य हेतु।
3. काव्य प्रयोजन।
4. काव्य के प्रकार।
5. शब्द-शक्ति विवेचन।
6. संस्कृत काव्यशास्त्र की प्रसंगानुकूलता।

## Semester 7
## Major Paper 19
## HIND 0703
### हिन्दी कहानी

1. भारतीय कथा परंपरा और प्राचीन कहानी का शिल्प।
2. आधुनिक युग में कहानी का विधागत रूप।
3. प्रेमचंदयुगीन कहानी की विधागत विशेषताएं।
4. प्रेमचंदोत्तर कहानी की विधागत विशेषताएं।
5. निर्धारित कहानियां -
   राजेंद्रबाला घोष - दुलाईवाली, प्रेमचंद - मृतक भोज, जैनेन्द्र - पाजेब, फणिश्वरनाथ रेणु - पंचलाइट, मोहन राकेश - उसकी रोटी, शेखर जोशी - कोसी का घटवार, हरिशंकर परसाई - भीतर का घाव, ज्ञानरंजन - पिता, उदय प्रकाश - और अंत में प्रार्थना, निर्मल वर्मा - परिन्दे, काशीनाथ सिंह - सुख, विष्णु प्रभाकर - मेरा बेटा, स्वयं प्रकाश - क्या तुमने कभी कोई सरदार भिखारी देखा है। ( किन्हीं आठ कहानियों का अध्ययन अपेक्षित है। )

## Semester 7
## Major Paper 20
## HIND 0704
### आधुनिक हिन्दी कविता

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्यांश की व्याख्या और काव्य-सौंदर्य के साथ-साथ कवियों की समालोचना भी अपेक्षित है।

1. मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती ( निर्धारित अंश )!
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी ( श्रद्धा, इड़ा, आनंद सर्ग )।
3. निराला : तुलसीदास ( निर्धारित अंश ), राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता।
4. पंत : लोकायतन ( निर्धारित अंश )।
5. दिनकर : कुरूक्षेत्र ( निर्धारित अंश )।

## Semester 7
## Sessional 5
## HIND 0781
### साहित्यिक अनुवाद

इस पाठ्यक्रम में किसी अन्य भाषा की किसी एक कृति का हिन्दी अनुवाद विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा।

## Semester 8
## Major Paper 21
## HIND 0801
### भाषा-विज्ञान

1. भारत में भाषा-चिन्तन।
2. भाषा-विज्ञान की पाश्चात्य परंपरा।
3. संरचनात्मक भाषा-विज्ञान।
4. चॉमस्की तथा रूपांतरण।
5. अनुप्रयुक्त भाषा-विज्ञान।
6. शैली विज्ञान और कोश विज्ञान।

## Semester 8
## Major Paper 22
## HIND 0802
### हिन्दी नाटक

**1. नाट्य और नाट्य शास्त्र**

2. हिन्दी नाटक का विकास : भारतेंदु युग, प्रसाद युग, नया नाटक।
3. हिन्दी रंगमंच का विकास : पारसी थियेटर, इप्टा, अन्य रंग संस्थाएं, नुककड़ नाटक।
4. नाटक :

   भारतेंदु हरिश्चंद्र - अंधेर नगरी

   मोहन राकेश - आधे अधूरे

## Semester 8
## Major Paper 23
## HIND 0803
### समकालीन हिन्दी कविता

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्यांश की व्याख्या और काव्य-सौंदर्य के साथ-साथ कवियों की समालोचना भी अपेक्षित है।

1. अज्ञेय : एक सन्नाटा बुनता हूं, सत्य तो बहुत मिले, सागर मुद्रा-12, जो कहा नहीं गया।
2. नार्गाजुन : शासन की बंदूक, वो हमें चेतावनी देने आए थे, सत्य, प्रतिबद्ध हूं, अबके मौसम।
3. मुक्तिबोध : अंधेरे में।

4. धूमिल : पटकथा, मुनासिब कार्यवाही, सुदामा पाण्डे का प्रजातंत्र, प्रौढ़ शिक्षा।
5. कुँवर नारायण सिंह : चक्रव्यूह, कमरे में धूप, यह कैसी विवशता है, पहला सवाल, अयोध्या 1992।
6. लीलाधर जूगड़ी : नाटक जारी है, वहां जरूर कोई दिशा है, अंतर्देशीय, तथाकथित महान लोग, मुझे जगाओ।

## Semester 8
## Major Paper 24
## HIND 0804
### हिन्दी साहित्य का इतिहास
### ( आधुनिककाल )

1. भारतीय पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 की क्रांति, 19वीं सदी का नवजागरण।
2. 19वीं सदी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं और भारतेंदु युगीन साहित्य की विशेषताएं।
3. 20वीं सदी का नवजागरण और सरस्वती पत्रिका, राष्ट्रीय काव्यधारा का विकास।
4. स्वाधीनता आंदोलन, स्वछंदतावाद और छायावाद। हिन्दी स्वछंदतावादी कवियों का अवदान।
5. प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएं।
6. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य - प्रयोगवाद और नयी कविता, नयी कहानी, साठोत्तरी साहित्यिक आंदोलन, नाटक और रंगमंच में नए प्रयोग, आंचलिक उपन्यास, हिन्दी आलोचना का विकास, स्त्री लेखन, दलित लेखन।
7. समकालीन हिन्दी साहित्य - 21वीं सदी की कविता, उपन्यास, कहानी एवं नाटक।

## Semester 8
## Sessional 6
## HIND 0881
### पाण्डुलिपि अध्ययन

इस पाठ्यक्रम में किसी एक प्राचीन पाण्डुलिपि का अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा।

## Semester 9
## Major Paper 25
## HIND 0901
### पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत

1. शास्त्रवाद, नव्य शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद।
2. मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, नई समीक्षा।
3. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद, संकेत विज्ञान, विखंडनवाद।
4. आधुनिकतावाद और उत्तर आधुनिकतावाद।

## Semester 9
## Major Paper 26
## HIND 0902
### हिन्दी भाषा संरचना

1. ध्वनि संरचना
2. रूप शब्द और पद
3. वाक्य संरचना
4. अर्थ संरचना
5. प्रोक्ति विश्लेषण

## Semester 9
## Major Paper 27
## HIND 0903
### हिन्दी उपन्यास

1. उपन्यास का अर्थ और स्वरूप।
2. उपन्यास के उदय के कारण।
3. उपन्यास का वर्गीकरण और उसके विभिन्न आधार।
4. उपन्यास की आलोचनात्मक दृष्टियां।
5. उपन्यास :
   - क. परती परिकथा
   - ख. आधा गांव
   - ग. राग दरबारी
   - घ. यह पथ बधु था

निर्धारित उपन्यासों में से दो उपन्यासों का अध्ययन किया जाएगा।

## Semester 9
## Major Paper 28
## HIND 0904
### विशिष्ट हिन्दी साहित्यकार का अध्ययन
### (प्रेमचंद)

1. व्यक्तित्व और कृतित्व
2. प्रेमचंद का साहित्य
3. प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएं
4. प्रेमचंद के उपन्यास - एक परिचय
5. सेवासदन, गबन, रंगभूमि और गोदान

**वैकल्पिक**

**प्रवासी हिन्दी साहित्यकार का अध्ययन**

**(अभिमन्यु अनत)**

1. प्रवासी हिन्दी साहित्य का परिचय
2. अभिमन्यु अनत - व्यक्तित्व और कृतित्व
3. अभिमन्यु अनत की कहानियां एवं उपन्यास
4. उपन्यास : हम प्रवासी
5. कहानी : मातम पुरसी, अधूरी कहानी, कुर्बानी

## Semester 9
## Sessional 7
## HIND 0981
### समकालीन बांग्ला भाषा एवं साहित्य पर हिन्दी प्रभाव

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत समकालीन बांग्ला भाषा एवं साहित्य पर हिन्दी के प्रभाव का अध्ययन साहित्यिक कृतियों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, इंटरनेट पत्र-पत्रिकाओं एवं दूरदर्शन कार्यक्रमों के आधार पर विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा।

## Semester 10
## Major Paper 29
## HIND 1001
### हिन्दी निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाएं

1. निबन्ध :
   चंद्रधर शर्मा गुलेरी - कछुआ धर्म
   हरिशंकर परसाई - प्रेमचंद के फटे जूते
2. रेखाचित्र संस्मरण :
   महादेवी वर्मा - ठकुरी बाबा
3. जीवनी :
   अमृतराय - कलम का सिपाही
4. आत्मकथा :
   मन्नू भंडारी - एक कहानी यह भी
5. यात्रा वृतांत :
   नागार्जुन - सिंध में सत्रह महीने
6. रिपोतार्ज :
   फणीश्वरनाथ रेणु - ऋणजल-धनजल

**वैकल्पिक**

**भारतीय उपन्यास**

1. महाश्वेता देवी - जंगल के दावेदार
2. गोपीनाथ महंती - अमृत संतान
3. तकषि शिवशंकर पिल्लै - चेम्मीन
4. वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य - मृत्युंजय
5. कुर्रतुल ऐन हैदर - आग का दरिया

किन्हीं तीन उपन्यासों का अध्ययन किया जाएगा।

## Semester 10
## Major Paper 30
## HIND 1002
### मध्यकालीन हिन्दी काव्य

1. कबीर - कबीर ग्रंथावली, सं डॉ श्यामसुंदर दास ( आरंभ के 15 पद )।
2. सूरदास - भ्रमरगीत सार, सं आचार्य रामचंद्र शुक्ल ( पद संख्या 31 से 45 तक )।
3. रहीम - रहीम ग्रंथावली, सं विद्यानिवास मिश्र ( 40 से 56 दोहे)।
4. बिहारी - बिहारी रत्नाकर, सं जगन्नाथदास रत्नाकर ( आरंभ के 20 दोहे)।
5. मीराबाई,सहजोबाई,दयाबाई और जीमाचारिणी का विशेष अध्ययन।

**वैकल्पिक**

**भारतीय एवं विश्व साहित्य में उपन्यास**

1. विश्व साहित्य में उपन्यास का उदय।
2. 19वीं सदी के यूरोपीय उपन्यास।
3. 20 वीं सदी के यूरोपीय उपन्यास।
4. भारतीय उपन्यास की अवधारणा।
5. 19वीं सदी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृतियां।
6. 20वीं सदी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृतियां (पूर्वाद्ध )।
7. स्वातंत्र्योत्तर भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृतियां।

## Semester 10
## Major Paper 31
## HIND 1003
### प्रयोजनमूलक हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप।
2. कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य।
3. पारिभाषिक शब्दावली - स्वरूप एवं महत्व, निर्माण के सिद्धांत।
4. अनुवाद का स्वरूप और महत्व।
5. कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद।
6. अनुवाद से संबंधित प्रमुख समस्याएं।

वैकल्पिक

तुलनात्मक साहित्य

1. तुलनात्मक साहित्य से तात्पर्य।
2. तुलनात्मक साहित्य का उद्‌भव व विकास।
3. तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न सिद्धांत।
4. तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न स्कूल - फ्रांसिसी, जर्मन, अमरिकी और ब्रिटिश।
5. तुलनात्मक साहित्य की पाश्चात्य परंपरा।
6. तुलनात्मक साहित्य की भारतीय परंपरा।

## Semester 10
## Major Paper 32
## HIND 1004
### हिन्दी आलोचना साहित्य

इस पाठ्यक्रम में हिन्दी आलोचना की भारतीय परंपरा और उसका इतिहास, हिन्दी आलोचकों की आलोचनात्मक अवधारणाओं, पद्धतियों और प्रतिमानों का अध्ययन अपेक्षित है।

1. हिन्दी आलोचना का स्वरूप।
2. शुक्लपूर्व हिन्दी आलोचना।
3. शुक्ल युग हिन्दी आलोचना ।
4. शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना।
5. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना।

## वैकल्पिक
## तुलनात्मक भारतीय नाट्य साहित्य

1. नाटक और रंगमंच का स्वरूप।
2. भारतीय रूपक - उपरूपकों के भेद।
3. पारंपरिक नाट्य - रूप।
4. भारतीय और पाश्चात्य नाट्य चिन्तन।
5. भारतीय रंगमंच का परिदृश्य
6. नाटक

   एवम् इंद्रजीत - बादल सरकार
   घासीराम कोतवाल - विजय तेंदुलकर
   हयवदन - गिरीश कर्नाड

## Semester 10
## Sessional 8
## HIND 1081
## तुलनात्मक अध्ययन

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत किन्हीं दो साहित्यिक कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा।